केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 266 शनिवार 20 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्यः3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

पश्चिम बंगाल में बरसे वोट बिहार में सबसे कम मतदान

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती और परिणाम की घोषणा 4 जून को होगी। शाम 6 बजे तक 59.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 77.57 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद त्रिपुरा में 76.10: और पुडुचेरी में 72.84: मतदान हुआ। बिहार में सबसे कम 46.32: मतदान हुआ। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को समाप्त हो गया। पहले चरण के मतदान में, देश भर के 21 राज्य और 102 निर्वाचन क्षेत्रों में वोट डाले गए। 2024 के आम चुनाव देश भर में सात चरणों में होंगे, जो 1 जून को समाप्त होंगे। लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती और परिणाम की घोषणा 4 जून को होगी। शाम 6 बजे तक 59.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 77.57 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद त्रिपुरा में 76.10: और पुडुचेरी में 72.84: मतदान हुआ। बिहार में सबसे कम 46.32: मतदान हुआ।

कुछ अन्य राज्यों की बात करें तो इसमें अरुणाचल प्रदेश में 64.7:, जम्मू कश्मीर में 65.28:, छत्तीसगढ़ में 63.41:, महाराष्ट्र में 54.85 प्रतिशत, मणिपुर में 68.62:, राजस्थान में 50.27: जबकि तमिलनाडु में 63.20: मतदान हुआ है। त्रिपुरा में 76.10:, उत्तर प्रदेश में 57.54 प्रतिशत उत्तराखंड में 53.56: प्रतिशत वोट डाले गए। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में 54.68:, कैराना में 58.68:, मुरादाबाद में 57.65:, मुजफ्फरनगर में 54.91:, नगीना में 58.05:, पीलीभीत में 60.23:, रामपुर में 52.42: और सहारनपुर में 63.29: का मतदान हुआ है।

कई प्रमुख नेताओं और हस्तियों ने अपना वोट डाला है, जिनमें कांग्रेस के दिग्गज नेता पी चिदंबरम, उनके बेटे और शिवगंगा उम्मीदवार कार्ति चिदंबरम, प्रसिद्ध अभिनेता रजनीकांत, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके सुप्रीमो एमके स्टालिन शामिल हैं। पहले चरण में तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय (2), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नागालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) की सभी सीटों पर मतदान हुआ। इसके अलावा राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में आठ, मध्य प्रदेश में छह, असम और महाराष्ट्र में पांच–पांच, बिहार में चार, पश्चिम बंगाल में तीन, मणिपुर में दो और त्रिपुरा, जम्मू–कश्मीर और छत्तीसगढ़ में एक–एक सीट पर मतदान हुआ।

छिटपुट विवादों के बीच यूपी में 8 सीटों पर मतदान सम्पन्न

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर पहले चरण में शाम पांच बजे तक औसतन 57.54 प्रतिशत मतदान संपन्न हुआ। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा के मुताबिक बिजनौर में 54.68 फीसदी मतदान हो चुका था जबकि कैराना में 58.68 प्रतिशत, मुरादाबाद में 58.68 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर में 54.91 प्रतिशत, नगीना में 58.01 प्रतिशत, पीलीभीत में 60.23 प्रतिशत,रामपुर में 52.42 प्रतिशत और सहारनपुर में 63.29 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। उधर, सपा ने चुनाव गड़बड़ी का आरोप लगाया है। रामपुर से सपा प्रत्याशी ने बड़ा आरोप लगाया है कि पुलिस और अधिकारी लोगों को वोट नहीं करने दे रहे हैं। वहीं, सपा की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर वोटर लिस्ट गायब करने और कई बूथों पर धीमा मतदान का आरोप लगाया है।

यूपी के नौ जिलों की आठ लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण में होने वाले मतदान के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा ड्यूटी में 6018 इंस्पेक्टर व सब–इंस्पेक्टर, 35750 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल, 24992 होमगार्ड्स, 60 कंपनी पीएसी तथा 220 कंपनी कंपनी सीएपीएफ लगाई गई है। सीएपीएफ में बीएसफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआइएसएफ, एसएसबी व आरपीएफ शामिल हैं।

यूपी की 8 सीटों पर हो रहे लोकसभा चुनाव में शाम 5 बजे तक बिजनौर में 54.68 फीसदी मतदान संपन्न हुआ है। वहीं, नगीना 55.68 फीसदी, पीलीभीत में 60.1 फीसदी और मुजफ्फरनगर 56 फीसदी मतदान हुआ है।

सपा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया है कि मुरादाबाद के कांठ में बीजेपी के नाता और बूथ एजेंट फर्जी वोट डलवा रहे हैं। प्रशासन के सामने ही बूथ कैप्चरिंग का प्रयास हो रहा है।

यूपी की पीलीभीत के अमरिया के गांव वगनेरा वगनेरी में सन्नाटा रहा। जहां भीषण गर्मी की वजह से बूथ खाली पड़े। बता दें कि यूपी में तीन बजे तक 47.44 फीसदी ही मतदान हुये थे।

उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर शुक्रवार दोपहर तीन बजे तक 47.44 प्रतिशत मतदान संपन्न हुआ । बिजनौर में 45.7 फीसदी, कैराना में 48.92 प्रतिशत, मुरादाबाद में 46.28 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर में 45.18 प्रतिशत,नगीना में 48.15 प्रतिशत, पीलीभीत में 49.06 प्रतिशत,रामपुर में 42.77 प्रतिशत और सहारनपुर में 53.31 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर शुक्रवार दोपहर तीन बजे तक औसतन 47.44 प्रतिशत मतदान संपन्न ।राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में मतदान सुबह सात बजे से शुरु हो गया था। सुबह से दोपहर 11 बजे तक मतदान में तेजी देखी गयी लेकिन भीषण गर्मी के कारण दोपहर 12 बजे के बाद मतदान में मामूली गिरावट दर्ज की जा रही है। मतदान शाम छह बजे तक चलेगा। निर्धारित समय के बाद भी कतार में लगे मतदाताओं को वोट डालने का अधिकार दिया जायेगा। मुरादाबाद लोकसभा सीट के लिए में 3 बजे तक 46.28 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं, रामपुर लोकसभा सीट पर 42.77 प्रतिशत मतदान हुआ था।

सपा ने मुजफ्फरनगर की कैराना सीट के लिए हो रही वोटिंग को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें मुस्लिम महिलाओं का बुर्का हटाया जा रहा है। सपा ने लिखा है कि प्रशासन जबरन मतदान की गति को प्रभावित कर रहा है। पहले चरण के मतदान के दौरान मुजफ्फरनगर में एक दुल्हन विदाई से पहले वोट डालने पहुंची। उसने कहा कि वोट डलना हर नागरिक का अधिकार है। 2.5 फीट के अजीम ने बीवी संग दिया मतदान शामली के कैराना लोकसभा के मशहूर 2.5 फीट के अजीम मंजूरी ने अपनी बेगम बूसरा के साथ शादी के बाद पहली बार मतदान किया। पीलीभीत के घुंघचाई में एक दूल्हे ने मिशाल पेश की। दरअसल दुल्हन लेने जा रहे दूल्हे ने बारात रवाना होने से पहले पोलिंग बूथ पर जाकर मतदान किया। बिजनौर में 1 बजे तक 36.08 प्रतिशत मतदान हुआ वहीं मुजफ्फरनगर में 34.51 प्रतिशत, सहारनपुर में 42.32 प्रतिशत, नगीना में 38 प्रतिशत, कैराना में 37.92 प्रतिशत, रामपुर में 32.86 प्रतिशत, मुरादाबाद में 35.35 प्रतिशत और पीलीभीत में 38.51 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

मेरठ के शाहपुर में चल रहे मतदान के दौरान अंदर बूथ में घंटों से मौजूद एक युवक फर्जी मतदान करते हुए पकड़ा गया। मौके पर पहुंचे सपा प्रत्याशी हरेंद्र मलिक ने युवक के विरुद्ध कार्यवाही की बात कहते हुए विरोध जताया। वहां मौजूद अधिकारियों ने युवक को हिरासत में ले लिया। दरअसल शुक्रवार सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान शांतिपूर्वक चलता रहा। लोगों की लंबी कतार मतदान के लिए लग गई। वहीं कस्बे के बसी रोड पर मिडिल स्कूल में बने बूथ पर सपा प्रत्याशी हरेंद्र मलिक ने एक युवक को फर्जी मतदान करते हुए पकड़ा जिसके बाद हरेंद्र मलिक ने वहा मौजूद अधिकारियो से शिकायत करते हुए बूथ के अंदर मौजूद युवक को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया।

नगीना में चंद्रशेखर ने ईवीएम खराब होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद ईवीएम सही नहीं की जा रही है।

पीलीभीत में मतदान के बीच कई जगह हंगामे की स्थिति भी बन गई। जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव खरूआ में पीठासीन अधिकारी को कार्यशैली को लेकर विरोध ही गया। आरोप था कि वह एक दल के पक्ष में वोट डलवाने का प्रयास कर रहे है। भाजपा के कुछ नेता भी पहुंच गए और विरोध किया जाने लगा।इसकी जानकारी पर जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह, एसपी अविनाश पांडेय फोर्स के साथ पहुंचे और जानकारी जुटाई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सहायक रिटर्निंग अधिकारी को जांच दी है। उधर बीसलपुर के गांव वैदखेडा में एजेंट के मोबाइल लेकर जाने पर रोका गया तो विरोध किया गया। कुछ लोग पक्ष में एकत्र हो गए। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को मतदान केंद्र के पास से खदेड़ दिया।

रामपुर सपा प्रत्याशी मोहिबुल्लाह नदवी ने पुलिस और अधिकारियों पर वोटरों को वोट डालने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया से रूबरू होकर कहा कि अब तक एक दर्जन से ज्यादा पोलिंग बूथों से शिकायत आ चुकी हैं कि पुलिस मतदाताओं को उन्हें वोट नहीं डालने दे रही है। मतदाताओं को यह कहकर भी केंद्र से वापस किया जा रहा है कि उनका वोट पड़ गया। देखते हैं कि कोई कार्रवाई होती है या नहीं।

एक नजर

बैक में नकदी का संकट, लोग परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लगन के समय बस्ती–बांसी मार्ग पर स्थित एसबीआई पुरैना शाखा की स्थिति लॉकडाउन से बदतर हो गई है। लगन शुरू होने के साथ ही शाखा से नोट गायब हो गई है। कैश काउंटर पर लिखा गया है कि केवल 10 व 20 के नोट ही उपलब्ध हैं। वह भी काफी गली नोट दी जा रही है। अन्य नोट नदारद हैं।

लगन शुरू होने के साथ ही कैश की मांग बैंकों में बढ़ गई है। खरीदारी से लेकर शादी में लेने देने के लिए नोट का ही इस्तेमाल होता है। इसमें 100 व 500 के नोट की मांग ज्यादा होती है। बैंक आने पर लोगों को निराश होकर वापस जाना पड़ता है। बालेडीहा की जसोदरा देवी, सिसवारी की रंजना, मुड़ाडीहा कला के राजेश शर्मा, डढ़वा की हसीना व अनिल, सिसवा बरूआर के सोनू सहित अन्य ने बताया कि उनके घर में शादी है। बैंक से रुपया न मिलने के कारण काफी परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि एटीएम भी ड्राई हो गया है। शाखा प्रबंधक आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बैंक के 36 हजार ग्राहक हैं। प्रतिदिन 70 लाख का लेने देन होता है। मांग के सापेक्ष धन नहीं मिल पा रहा है। बैंक में जो है, वही दे रहे हैं।

महिला ऑन लाइन ठगी का शिकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के बस्थनवा गांव की एक महिला ठगी की शिकार हो गई। गांव की सुशीला देवी का फोनपे बंद हो गया था। उसने गुगल से सर्च करके हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके बात की। उसके बाद कर्मी ने उसके खाता नंबर की जानकारी लिया। फिर पीड़िता के फोन पर ओटीपी भेज कर उसके खाते से 40000 हजार रुपए निकाल लिया। पीड़िता को इसकी जानकारी मैसेज से हुई। उसने तत्काल सूचना सोनहा पुलिस को दी। एसआई रवींद्र शुक्ल ने साइबर सेल से संपर्क कर ठगी करने वाले का खाता बंद कराकर जांच किया तो पता चला ठगी करने वाला अहमदाबाद का रहने वाला है।

छत की कुंडी से लटकता मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थानाक्षेत्र के बानपुर में गुरुवार की रात करीब 11 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में छत की कुंडी से लटकते युवक का शव मिला । सूचना पर पहुंची लालगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव विच्छेदन के लिए भेज दिया ।

जानकारी के मुताबिक बानपुर निवासी सोमई चौहान (34) पुत्र सजन घर पर रहकर मेहनत मजदूरी का काम कर अपना व परिवार का भरण पोषण करता था । गुरुवार की शाम पूरे परिवार के साथ गेहूँ की मड़ाई कर वापस आया और रोज की तरह रात में भोजन कर सोने चला गया । देर रात करीब 11 बजे बन्द कमरे में छत की कुंडी के सहारे लटकता हुआ शव दिखाई दिया । आसपास के लोगों की मदद से स्वजनों ने शव को नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी । मृतक सोमई अपने पीछे पत्नी संजू सहित बेटी अंशिका (10) व अनामिका(6) तथा राधिका (3) को रोता बिलखता छोड़ गया ।

योग से कमाए पैसों पर बाबा रामदेव को देना होगा टैक्स

नई दिल्ली (आभा)। बाबा रामदेव के पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा। शीर्ष अदालत ने अपीलीय न्यायाधिकरण के एक फैसले को बरकरार रखा है। न्यायाधिकरण के फैसले में रामदेव के ट्रस्ट को योग शिविरों के आयोजन के लिए प्रवेश शुल्क (एंट्री फीस) लेने पर सेवा कर (सर्विस टैक्स) का भुगतान करने को कहा गया था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) की इलाहाबाद पीठ के पांच अक्टूबर, 2023 को आए फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

पीठ ने ट्रस्ट की अपील खारिज करते हुए कहा, ष्न्यायाधिकरण ने ठीक ही कहा है कि शुल्क वाले शिविरों में योग करना एक सेवा है। हमें इस आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला। अपील खारिज की जाती है।' सीईएसटीएटी ने अपने आदेश में कहा था कि पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट की तरफ से आयोजित आवासीय एवं गैर–आवासीय योग शिविरों में शामिल होने के लिए शुल्क लिया जाता है लिहाजा यह 'स्वास्थ्य और फिटनेस सेवा' की श्रेणी में आता है और इस पर सेवा कर लगेगा। योग गुरु रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण के अधीन काम करने वाला यह ट्रस्ट विभिन्न शिविरों में योग प्रशिक्षण प्रदान करने में लगा हुआ था।

आईपीएस पद पर चयन के बाद गांव पहुंची अलका त्रिपाठी का हुआ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, बस्ती। कुदरहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत ढढौरा के राजस्व गांव विरतिया निवासी अलका तिवारी पुत्री स्व वीरेंद्र त्रिपाठी यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर शुक्रवार को बस्ती रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो जनप्रतिनिधि, परिजन व शुभचिंतको भीड उमड़ पड़ी और लोगों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। देर शाम गांव पहुंची तो लोगों के खुशी से आंखो छलक उठा।

अलका तिवारी का आईपीएस के पद पर चयन होने के बाद पहली बार वह दिल्ली से गांव के लिए रवाना हुई और बस्ती रेलवे स्टेशन पर चाचा धीरेंद्र त्रिपाठी, पूर्व विधायक रवि सोनकर, ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दुबे, ब्रह्मदेव यादव देव, धर्मेंद्र चौधरी, अवधेश राव, संजय पांडे राम प्रकाश यादव सहित सैकड़ो लोग फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इसके पश्चात वह सावित्री विद्या विहार सहित अन्य शैक्षणिक संस्थान पर जाकर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद गांव के लिए निकली तो महसो,महादेव, लालगंज, बनकटी, देईसाड़, पसड़ा, बानपुर मे जगह–जगह गाजे बाजे के साथ लोगों ने स्वागत किया। इसके पश्चात वह घर पहुंची तो खुशी से परिजन व गांव के लोगों के आंखों से आंसू छलक आई। अलका तिवारी ने बताया कि हाईस्कूल व इंटर मीडिएट की शिक्षा सावित्री विद्या विहार से लेने के बाद वह इलाहाबाद गयी और विश्वविद्यालय से स्नातक की। अलका तिवारी ने बताया कि गुरूजनों, बाबा, माता–पिता व चाची चाचा के आर्शिवाद से इस मुकाम पर पहुंची हूं। हमारे बाबा भानु प्रताप त्रिपाठी शिक्षक थे जिनसे हमें प्रेरणा मिलती थी। हमारे चाचा व भाई का बड़ा सहयोग रहा। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस पिछड़े क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है इस बिटिया के प्रेरणा से अब बच्चे और आगे बढ़ेंगे।

बारात आने से पहले लगी आग, झुलसे अरमान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के बैजनाथ जोत में शुक्रवार दोपहर तीन बजे फूलचन्द के रिहायसी छप्पर में अज्ञात कारणों से आग लग जाने के कारण रिहायसी छप्पर सहित घर में रखा समान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के बैजनाथ जोत के फूलचंद पुत्र तोखई की पुत्री मधु की शादी 19 अप्रैल शुक्रवार को था । बारात श्रावस्ती जिले से आना था । पूरे परिवार में खुशी का माहौल था तभी अचानक दोपहर 3 बजे अज्ञात कारणों से फूलचंन्द के रिहायसी छप्पर में आग लग गया और तेज हवा होने के कारण देखते–देखते छप्पर व उसमें रखा सामान धू – धू कर जलने लगा । आग की लपटे इतनी तेज थी कि बगल में भूअर गोसाई के रिहायसी छप्पर भी जल गया।

बैजनाथ के दरवाजे पर लगा टेंन्ट का सामान डी. जे. साउंड सहित छप्पर में रखा अनाज , तख्त, चारपाई , कपड़ा आदि जलकर राख हो गया ।

सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी महादेवा अवनीश सिंह द्वारा फायर ब्रिगेड को सूचना देकर बुलाया गया जिससे आग पर काबू पाया गया ।

मौके पर चौकी प्रभारी महादेवा वा क्षेत्रीय लेखपाल पहुंचकर मौके का निरीक्षण कर परिजनों को ढाढस बधाया ।

फसल का अवशेष जलाया तो होगी कार्रवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गेहूँ फसल अवशेष जलने की घटना का स्थलीय सत्यापन एवं घटनाओं के नियंत्रण हेतु क्षेत्रीय कर्मचारियों के माध्यम से कृषको को जागरूक करने के साथ शासन एवं कृषि विभाग द्वारा दिए गये निर्देशों का पालन कराने के लिए संयुक्त निदेशक, कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी ने मण्डल के तीनों उप निदेशक कृषि एवं जिला कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया है। अधिकारियों को लिखें गये पत्र में संयुक्त निदेशक कृषि ने कहा है कि जनपद स्तर पर एक सेल का गठन करते हुए प्रत्येक दिन की घटनाओं का अनुश्रवण किये जाने एवं प्रत्येक गांव के ग्राम प्रधान एवं क्षेत्रीय लेखपाल को प्रत्येक दशा में अपने से सम्बन्धित क्षेत्र में पराली/कृषि अपशिष्ट जलाने की घटना को रोके जाने हेतु निर्देशित करें।

उन्होने कहा हैं कि प्रत्येक राजस्व ग्राम अथवा राजस्व ग्राम कलस्टर के लिए एक राजकीय कर्मचारी को नोडल अधिकारी नामित करें, जो कि सभी के मध्य प्रचार–प्रसार करते हुए फसल अवशेष आदि को न जलने के लिए प्रेरित करें। लेखपाल की जिम्मेदारी होगी कि अपने क्षेत्र में फसल अवशेष जलने की घटनायें बिल्कुल न होने दे अन्यथा शिकायत मिलने पर उनके विरूद्ध भी कार्यवाही की जायेंगी। जनपद स्तर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में एक सेल स्थापित करने के निर्देश पूर्व में दिये जा चुके हैं। उप जिलाधिकारी के अन्तर्गत गठित सचल दस्ते का दायित्व होगा कि फसल अवशेष आदि जलने की घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर सम्बन्धित के विरूद्ध विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

उन्होने बताया कि दो एकड से कम भूमि वाले कृषको के लिए फसल अवशेष जलाने पर रू0 2500 प्रति/घटना, तथा दो एकड से अधिक भूमि वाले कृषको से रू0 5000 प्रति/घटना तहसीलदार के स्तर से आर्थिक दण्ड लगाया जायेंगा।

उन्होने बताया है कि फसल कटाई के दौरान प्रयोग की जाने वाली कम्बाइन हार्वेवेस्टर के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रा रीपर अथवा स्ट्रा रेक एवं बेलर अथवा अन्य कोई फसल अवशेष प्रबन्धन यंत्र का उपयोग किया जाना अनिवार्य होगा। यह सुनिश्चित किया जाये कि उक्त व्यवस्था बगैर आपके जनपद में कोई कम्बाइन हार्वेस्टर से कटाई न करने पाये। प्रत्येक कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ कृषि विभाग/ग्राम्य विकास का एक कर्मचारी नामित रहे, जो कि अपनी देख–रेख में कटाई कार्य करायें। फसल अवशेष प्रबन्धन यंत्रों के बगैर चलते हुयी पायी जाय तो उसको तत्काल सीज कर लिया जाय और कम्बाइन मालिक के स्वयं के खर्चे पर सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगवाकर ही छोडा जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 अप्रैल 2024 शनिवार

सम्पादकीय

प्रकृति की चुनौती

संयुक्त अरब अमीरात और खाड़ी के कुछ अन्य देशों में अचानक आई भारी व असामान्य बारिश ने इंसान को तमाम सबक दिए हैं। जिन देशों को अपनी समृद्धि व संपन्नता का दंभ था, वहां आई मूसलाधार बारिश ने सारी आधुनिक व्यवस्थाएं ध्वस्त कर दी। दुनिया का सबसे ज्यादा आधुनिक व चहल–पहल वाला दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अराजकता का शिकार हो गया। सैकड़ों उड़ाने रद्द हो गईं। दुनिया के चोटी के हवाई अड्डों में शामिल जिस दुबई एयरपोर्ट में पिछले साल आठ करोड़ यात्रियों की आमद थी, एक मूसलाधार बारिश से उसकी सारी व्यवस्थाएं चौपट हो चुकी थीं। इस दौरान ओमान में 19 लोगों की मौत के अलावा अन्य देशों में भी लोगों के हताहत होने की आशंका है। बताते हैं कि अभी भी कई निचले इलाकों में बारिश का पानी भरा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात में पिछले 75 साल बाद रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में डूबे वाहन और बारह लेन वाले हाईवे पर लगा जाम बता रहा है कि कुदरत की माया के आगे मानव का विकास अभी भी बौना ही है। फिर मध्यपूर्व के रेगिस्तानी इलाकों में मूसलाधार बारिश का होना निश्चित ही अचरज की बात है। अचानक आई इस बारिश और बाढ़ को जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव कहा जा रहा है। लेकिन वहीं लोग आरोप लगा रहे हैं कि यह घटना विशुद्ध रूप से प्रकृति से मानवीय छेड़छाड़ का नतीजा है। आलोचक इस असामान्य बारिश को क्लाउड सीडिंग का नतीजा बता रहे हैं। दरअसल, कृत्रिम तरीके से बारिश कराने की कोशिश को ही क्लाउड सीडिंग कहा जाता है, जिसमें बादल में बारिश के बीज बोने के लिये कृत्रिम तरीके से प्रयास किये जाते हैं। ऐसे कुछ प्रयास यूएई में किये जा रहे थे। एक अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट में बताया गया है कि रविवार व सोमवार को यूएई में क्लाउड सीडिंग की योजना बनायी गई थी और मंगलवार को भयावह बाढ़ के हालात पैदा हुए हैं। आशंका जतायी जा रही है कि क्या कृत्रिम बारिश के प्रयासों के चलते यह स्थिति पैदा हुई है?

बहरहाल, आने वाले वक्त के अध्ययन हमें बताएंगे कि इस आपदा के आने में क्लाउड सीडिंग की कितनी भूमिका थी। वैसे दुनिया के तमाम देशों में संकट के समय क्लाउड सीडिंग कराने के मामले सामने आते रहते हैं। किन्हीं देशों में सामरिक तो कहीं कृषि उद्देश्यों के लिये कृत्रिम बारिश का सहारा लिया जाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के चलते बदले हालात में यह संकट गहरा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि कृत्रिम बारिश का सहारा तब लिया जाता है, जब हवा की नमी की कमी के चलते बारिश नहीं हो पाती। भारत में साठ के दशक में कृत्रिम बारिश का प्रयोग किया गया था। दरअसल, बारिश के बीजों के रूप में सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम क्लोराइड व सोडियम क्लोराइड जैसे पदार्थों का उपयोग किया जाता है, जिनका हवाई जहाज की मदद से बादलों में छिड़काव किया जाता है। इससे बर्फ के कण बादलों की नमी के साथ मिलकर बारिश होने की प्रक्रिया को अंजाम देते हैं। दरअसल, आधुनिक विकास के मोह में संयुक्त राज्य अमीरात अपने व्यापारिक उद्देश्यों व नागरिकों के लिये पानी की कमी को पूरा करने के लिये इस तकनीक का उपयोग करता रहा है। ऐसे ही भारत में नब्बे के दशक में तमिलनाडु में भयंकर सूखे से निपटने के लिये क्लाउड सीडिंग तकनीक का उपयोग कई बार किया गया था। वहीं चीन ने भी बीजिंग में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के दौरान पर्यावरण प्रदूषण दूर करने के लिये क्लाउड सीडिंग तकनीक का इस्तेमाल किया था। बहरहाल, यूएई, ओमान व सऊदी अरब जैसे इलाकों में ऐसी भारी बारिश हमारे नीति–नियंताओं को विकास योजनाओं को लेकर नये सिरे से विचार करने को मजबूर कर रही है। इन देशों को अपनी सड़कों व अन्य विकास कार्यों को अब बारिश के ऐसे संकट को नजर में रखकर तैयार करना होगा। साथ ही मनुष्य को इस तथ्य को गंभीरता से स्वीकारना होगा कि प्रकृति के साथ अन्याय करने पर हमें उसका प्रतिकार सहने के लिये तैयार रहना होगा।

नक्सलवादः कब थमेगी अपने ही युवाओं से खून की होली

—योगेन्द्र योगी—

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिल्लों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित जिल्लों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों– छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं।

माओवादियों के थिंक–टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिल्ले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को श्नक्सलवादश के नाम से जाना जाता है। जमींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडन पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों और किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ जिम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अत्य विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यत कानून–व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक–आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे जमीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहाँ जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहाँ न सड़कें हैं, न पीने के लिये पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं।

नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं। प्रशासन तक पहुँच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं। अशिक्षा और विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को मजबूत बनाया है। नक्सलवादियों की सफलता की वजह उन्हें स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन रहा है, जिसमें अब धीरे–धीरे कमी आ रही है। सरकार नक्सली चरमपंथ से निबटने के लिये बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें सुरक्षा एवं विकास से संबंधित उपाय तथा आदिवासी एवं अन्य कमजोर वर्ग के लोगों को उनका अधिकार दिलाने से संबंधित उपाय शामिल हैं। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास, शिक्षा, ऊर्जा और डिजिटल संपर्कता का यथासंभव विस्तार करने के भी प्रयास कर रही है। सरकार की इस नीति के परिणामस्वरूप नक्सलियों के हौसले कमजोर हुए हैं तथा उनके आत्मसमर्पण की संख्या लगातार बढ़ रही है। विमुद्रीकरण ने भी नक्सलियों को पहुँचने वाली वित्तीय सहायता पर लगाम लगाई है और इसके बाद से अब तक 700 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं को मजबूत बनाने के लिये सरकार बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगाने का काम कर रही है। इसके तहत कुल 4072 टावर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। निश्चित तौर पर पुलिस की दबाव बनाने की सक्रिय कार्रवाई और विकास बहुआयामी योजनाओं से नक्सली समस्या जड़मूल से समाप्त हो सकेगी।

हिंसाग्रस्त विश्व में बुद्धिहीन उपभोक्तावाद की आसक्ति

—अविजित पाठक—

हालांकि हम लोग एक भयावह रूप से हिंसाग्रस्त विश्व में जी रहे हैं, वह जिसमें लगातार होने वाले युद्ध, सैन्यीकरण, नए किस्म का अधिनायकवाद, बढ़ती आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट और सामाजिक कारणों से बना मानसिक संताप इसका चरित्र बन गया है। और मानो इन सबके बीच 'खुशी' ढूंढना एक अनन्त खोज बन गई है। आधुनिक काल में, हमें गुणा–भाग वाली सूक्ष्मता से प्यार हो गया कि तुर्रा यह कि खुशी जैसे उच्च गुणवत्तापूर्ण और आत्मनिष्ठ अनुभव को भी हमने नापने–तोलने की चीज बना डाला है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास उपाय नेटवर्क एक सूची जारी कर, विभिन्न मुल्कों का पदानुक्रम तय करता है जो उसके हिसाब से मापने लायक 'खुशी सूचकांक' पर आधारित हैदृ इस निर्धारण में सकल घरेलू उत्पाद, आयु दीर्घता, राजकीय कामकाज दक्षता, स्वतंत्रता, सामाजिक संबल (परोपकारी व्यवहार) को गिना जाता है। जहां फिनलैंड पिछले सालों की भांति 'सबसे खुश' देश है वहीं विश्व खुशी रिपोर्ट–2024 में भारत का स्थान 143 देशों में 126वां है।

खैर, मैं इस किस्म की रिपोर्ट के गुण–दोषों को पूरी तरह खारिज भी नहीं करता। बेशक, एक उचित मात्रा में सामाजिक सुरक्षा, राज्य द्वारा चलाई जाने वाली सामाजिक भलाई नीतियां, अच्छी मेडिकल सुविधाएं, रोजगार उपलब्धता, संवाद की मौजूदगी वाला समाज और राजनीतिक स्वतंत्रता रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ हद तक संतोष पैदा करते हैं। तथापि, यहां यह अहसास भी उतना ही जरूरी है कि 'शुद्ध खुशी' जैसी कोई चीज नहीं हो सकती, क्योंकि उल्लास के हमारे सबसे बढ़िया लम्हे और संतोष भी कुछ हद तक आशंका से जुड़े होते हैं, मसलन, जो कुछ हमारे पास है उसे खोने का डर, चाहे यह भौतिक संपदा, शरीर की तंदुरुस्ती हो या फिर प्रियजनों का साथ छूटने का भय। ताजिंदगी हम 'सम्पूर्ण खुशी' के पीछे भागते रहते हैं, लेकिन फिर भी यह हाथ नहीं आती। कोई हैरानी नहीं कि हमारे इस काल में जीवन जीने का ढंग सिखाने वाले, प्रेरणास्पद भाषणकर्ता और आध्यात्मिक बाबाओं की कोई कमी नहीं, जो बारम्बार हमें एक खास तकनीक पर चलने की सीख देते हैं, मसलन, समाधि अभ्यास, श्वास साधक व्यायाम, सचेतन होना इत्यादि दृ'खुश' व 'सफल' होने के मकसद हेतु।

लेकिन फिर, यह समझना चाहिए कि खुशी की प्राप्ति कैप्सूल खाने जैसा एक त्वरित उपाय नहीं है, जिसकी खुराक किसी स्व–सहायता पुस्तक या आश्रम अथवा मठ के विशेष सत्रों में भाग लेकर मिले। तथ्य तो यह है कि यदि सच में हम एक आडम्बरहीन, शांतिपूर्ण और संतोष से परिपूर्ण दुनिया की ओर बढ़ना चाहते हैं तो हमें स्व और दुनिया अथवा राजनीति और अध्यात्म के बीच पुल बनाना होगा। उदाहरणार्थ, जरा सोच कर देखिए, जो व्यक्ति भूख, कुपोषण और सिर पर छत न होने से बेहाल है उसको संचेतना सिखाने की बेवकूफी (बुरे अनुभवों से बने संताप या अस्थिर भविष्य की आशंका को नजरअंदाज कर वर्तमान में जीने की समर्था बनाए)। या फिर उस मानसिक हिंसा के बारे में सोचिए जो एक बेरोजगार युवा के मानस पर चोट करती है, जब नौकरी पाने में कंपनी दर कंपनी से अस्वीकृति झेलनी पड़े, तिस पर आप उसे सबसे अधिक बिकने वाली स्व–सहायता किताब 'मैं ठीक हूं– आप ठीक हैं' जैसी कोई पुस्तक पढ़ने को कहें ताकि 'अच्छा' और 'सकारात्मक' महसूस का भ्रम पाले। यह ठीक उतना ही बेवकूफाना है जब किसी बेघर को या जो पहले से झुग्गी में रह रहा है, उसे न्यूनतम साधनों में जीवन जीने का प्रवचन दिया जाए। राजनीतिक व आर्थिक असमानता की नींव को बदले बिना हम अ गैर–बराबर व शोषण करने वाली दुनिया को बदलकर संतोष की ओर नहीं बढ़ सकते।

इसी प्रकार जैसा कि 'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024' बताती है कि भारतीय युवाओं में 83 प्रतिशत बेरोजगार हैं या जब 'द राइज ऑफ बिलिनियर्स राज' नामक शोध–पत्र कहे कि भारत के चोटी के 1 फीसदी अमीरों के हाथ में 40 प्रतिशत आम लोगों के बराबर सरमाया है, तो एक आम भारतीय को महसूस हो रहे संताप, भय और आशंका का अंदाजा लगाना कठिन नहीं। भले ही हमारे पास हजारों की संख्या में बाबा, गुरु और स्व–सहायता सिखाने वाले हों, जो मोक्ष प्राप्ति की जुगत के तौर हमें नाना किस्मों की घुट्टी पिलाते हैं, तथापि अलफ सच्चाई है कि हमारा देश नाखुश मुल्क है। संभवतः हमारे समाज में राजनीतिक–आर्थिक पुनर्संरचना किए बिना हम वैसा सामाजिक परिवेश नहीं बना सकते, जो यथेष्ट संतोष से परिपूर्ण लोगों की तरक्की अनुकूल हो।

ऐसा नहीं है कि मुझे अर्थपूर्ण, सतत और करुणामय जीवन के लिए आत्मविश्लेषण या अंदरूनी शांति के महत्व से इंकार है। जहां उचित मात्रा में आर्थिक सुरक्षा और राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे रोजमर्रा के जीवन को कुछ आरामदायक बनाती है वहीं हम एक अधिक अर्थपूर्ण और शांतिपूर्ण वजूद की ओर नहीं बढ़ सकते, जिसके बिना मैं जीवन को धर्मनिष्ठ नहीं कह सकता। उदाहरणार्थ, यह धर्मनिष्ठा जीवन जीने के ढंग में, गैर–उपभोक्तावाद अवस्था की कला विकसित करने के बारे में हैं। भोजन, आवास, जीवन–पुष्ट शिक्षा, राजनीतिक स्वतंत्रता और विरक्ति न बनाने वाले काम जैसी मूलभूत जरूरतों को लालच के वायरस के मोहपाश में जा फंसने से अलहदा कर पहचानना होगा वह लालच जिसका बाजार–चालित समाज ने सामान्यीकरण कर दिया है।

हां, इस समाज में कभी खुशी नहीं हो सकती जो नवउदारवादी बाजार द्वारा उत्पादित नित नए फैशनों या नई वस्तुओं के प्रति बुद्धिहीन उपभोक्तावाद या निरंतर बढ़ती आसक्ति के सिद्धांत को मान्यता दे। लालसा की यह प्रवृत्ति शांति और धीरज को भंग करती है । इसकी बजाय व्यक्ति में ईर्ष्या, अशांति और पीछे छूट जाने का भयंकर डर बनाती है। इसी प्रकार, दूसरों से जुड़े रहने वाले स्व को विकसित करने की कला भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैदृ वह स्व जिसे दिखने में साधारण से कामों में भी बहुत आनंद मिलता होदृ जैसे कि दोस्तों से बिना स्वार्थ मिलना या पहाड़ी इलाके में सैर और प्रकृति की अनंतता की झलकी का अनुभव करना। यह बेशक साधारण लगे लेकिन फिर भी सर्जनात्मकता के अतिरेक से लबरेज होती है, वह जो हमें निरंतर ललचाने और बहकाने वाली बाजारीकरण संस्कृति से उपजी मिथकीय 'सफलता' या 'अति उत्तम और खुशी' वाली जिंदगी की मरीचिका से पीछे भागने की लालसा से मुक्त रहने में मददगार होती है।

जीवन की धर्मनिष्ठा को जरूरत है हमारे अस्तित्व में अंतर्निहित उदासी को अंगीकार करने के साहस की। यह 'सब कुछ हमारे बस में नहीं' को स्वीकार करने जैसा है। जो कुछ हम थामकर रखना चाहते हैं वह चलायमान और अस्थाई है। बिना पूर्व सूचना घटित अकल्पनीय दुर्घटनाएं और शोकाकुल प्रसंग हमारे अस्तित्व को झिंझोड़ सकते हैं, मौत की सच्चाई से कोई नहीं बच सकतादृ जो कि हमारे फुलाए अहम की व्यर्थता की अंतिम परिणति है। संभवतः यह अहसास, हमें कटु बनाने की बजाय, आंसुओं से भरे इस लौकिक अस्तित्व से गुजरने में समर्थ बनाता है।

नशे की गिरफ्त में युवा पीढी

—रजनीश कपूर—

1961 की बहुचर्चित फिल्म 'हम दोनों' का ये गाना सबने सुना होगा। धूम्रपान करने वाले सभी व्यक्तियों ने भी इसे अवश्य सुना होगा। फिल्म में गाने के बोल इस तरह दर्शाए गए कि फिल्म का हीरो अपने सभी फिक्र और चिंताओं को धुएं के कश में उड़ा देता है और चिंता मुक्त हो जाता है। परंतु क्या यह सही है कि मात्र सिगरेट के कश भरने और धुआं उड़ाने से आपकी क्षमताएं खत्म हो जाएंगी? इसका उत्तर है नहीं। बल्कि यदि आपको धूम्रपान की लत लग जाए तो आपकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ जरूर जाएंगी। जानते हैं कि ऐसा क्या है इस चंद लम्हे की मामूली सी खुशी में, जो लाखों करोड़ों को इसकी लत लगा देती है। दरअसल सिगरेट में मौजूद तंबाकू में निकोटीन पाया जाता है जो कश लेते ही बड़ी तेजी से यह धुआं आपके फेफड़े में समा जाता है और कुछ ही क्षण में दिमाग तक पहुंच जाता है। दिमाग में पहुंचते ही इसका संपर्क 'नर्व सैल' से होता है और इसके असर से डोपामाइन नाम का रसायन बाहर आता है। यह रसायन आपके दिमाग को संकेत देता है कि कुछ अच्छा करने से आपको ईनाम मिल सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो, यह रसायन आपको ऐसा इशारा देता है कि आप एक बार दोबारा सिगरेट का कश भर लेते हैं। एक शोध के अनुसार सिगरेट की लत से प्रभावित लोगों को, जिन्हें गले का कैंसर हुआ था, उनकी गले की नली को काट कर अलग करना पड़ा। उपचार के बाद भी इस लत ने उनका पीछा नहीं छोड़ा और वे दोबारा धूम्रपान करने को मजबूर थे।

सिगरेट में मौजूद तंबाकू की लत अन्य नशीले पदार्थों की तरह ही होती है जिससे छुटकारा पाना आसान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार दिमाग के जिस हिस्से को 'एनिमल पार्ट' कहा जाता है उससे ही निकोटीन की लत पर काबू पाया जा सकता है। नशीले पदार्थ हमारे दिमाग के 'एनिमल पार्ट' को इस कदर उकसाते हैं कि वो ऐसे संदेश भेजता है कि हम ऐसा बार–बार करें। वहीं दिमाग का दूसरा हिस्सा हमें ऐसा करने से रोकता भी है। नशे की लत की गिरफ्त में लोग अक्सर इस संघर्ष से जूझते रहते हैं। इस लत का इस बात से कोई भी लेना–देना नहीं है कि आप कितने समझदार हैं। बल्कि आपका दिमाग निकोटीन या अन्य नशीले पदार्थों पर किस तरह प्रतिक्रिया देता है। यदि समय रहते और सही संगति के चलते नशा या धूम्रपान रोक दिया जाए तो बेहतर हो परंतु ऐसा बहुत कम होता है।

सिगरेट की लत के लिए केवल निकोटीन ही जिम्मेदार नहीं होती। इसके लिए एक प्रमुख भूमिका सिगरेट बनाने वाली कंपनियों और उनके द्वारा जारी किए भ्रामक विज्ञापन भी उतने ही जिम्मेदार हैं। पश्चिमी देशों में जैसे ही निकोटीन की लत को लेकर सवाल उठने लगे तो कुछ लोगों ने इसकी जड़ तक जाने की सोची। उन्होंने वैज्ञानिक तरीकों से यह साबित कर दिया कि सिगरेट के धुएं में कुछ भी लामदायक नहीं होता। इतना ही नहीं ये न केवल धूम्रपान करने वाले के लिए बल्कि उसके आस–पास के लोगों के लिए भी काफी हानिकारक साबित हो सकता है। जैसे–जैसे यह अभियान तेजी पकड़ने लगा, धूम्रपान पर सार्वजनिक जगहों पर प्रतिबंध भी लगने लगा। इतना ही नहीं सिगरेट पर अतिरिक्त और बढ़े हुए कर भी लगाए जाने लगे जिससे इसकी कीमत में भी बढ़ौतरी हुई। इसके साथ ही सिगरेट के डिब्बों पर भी स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियां भी छापी जाने लगीं।

परंतु इन सबके चलते भी पश्चिमी देशों की बड़ी–बड़ी सिगरेट कंपनियों ने हार नहीं मानी। ज्यादा मुनाफा कमाने की नीयत से इन कंपनियों ने विकासशील देशों और उन देशों का रुख करना शुरू कर दिया जहां नियम और कानून सख्त नहीं थे। इन देशों में आम नागरिक धीरे–धीरे इन कंपनियों की मार्केटिंग के मायाजाल में बड़ी आसानी से फंस गए। देखते ही देखते इन कंपनियों की फिर से चांदी होने लग गई। पर सोचने वाली बात यह है कि लोग धूम्रपान के आदी कैसे बन जाते हैं? कुछ लोग सिगरेट पीने को एक 'स्टेटस सिंबल' या सामाजिक स्थिति का संकेतक मानते हैं। वो समझते हैं कि धूम्रपान करना एक ऐसी आदत है जो किसी विशेष वर्ग में आपको बड़ी आसानी से स्थान देती है। परंतु इस स्थान पाने की होड़ में आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर लेते हैं।

दस साल की बालिका पर तेंदुए ने किया हमला, चरवाहों ने बचाई जान

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमरहवा में शुक्रवार दोपहर बाद डेढ़ बजे के करीब नदी किनारे अपनी झोपड़ी पर कपड़ा धोने गई एक दस साल की बालिका पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ उसी झोपड़ी में बैठा था और गुर्राहट सुन भाग रही बालिका पर हमला कर जख्मी कर दिया। शोर सुनकर दौड़े चरवाहों ने उसकी जान बचाई। जख्मी बालिका को रतनपुर सीएचसी पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज हुआ। इससे पहले भी सेमरहवा में तेंदुआ कई लोगों को जख्मी कर चुका है। तेंदुए के खौफ से ग्रामीण दहशत में हैं।

नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमरहवा निवासी सुभाष गांव के पास रोहिन नदी के किनारे अपने खेत में एक झोपड़ी डालकर सब्जी की खेती की रखवाली करता है। खेत में पानी चलाने के लिए नल भी लगाया है। शुक्रवार की दोपहर में उसकी पुत्री सुन्दरी (10) झोपड़ी में कपड़ा धोने के लिए गई थी। उस समय तेंदुआ जंगल से निकल झोपड़ी में बैठा था। जैसे ही वह झोपड़ी के पास पहुंची कि तभी तेंदुए ने दहाड़ना शुरू कर दिया। भाग रही सुन्दरी पर पीछे से तेंदुए ने हमला बोल दिया। शोर सुनकर लाठी—डंडा लेकर दौड़े चरवाहों व ग्रामीणों को आता देख तेंदुआ जंगल की ओर भागा। सेमहरवा गांव मे इससे पहले भी तेंदुआ कई लोगों पर हमला कर जख्मी कर चुका है। जंगल व रोहिन नदी के किनारे होने के कारण तेंदुआ अक्सर शिकार की तलाश मे जंगल से निकलकर आ जाता है। नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चकदह व शाहपुर में तेंदुए का खौफ अभी खत्म नहीं हुआ। इसी बीच सेमरहवा में तेंदुआ निकलने से ग्रामीण दशहत में आ गए। शाहपुर गांव से पूरब जंगल के किनारे 7 अप्रैल को 65 वर्षीय साधु शिवपूजन पर उनकी कुटी के अन्दर ही तेंदुए ने जानलेवा हमला किया था। 9 अप्रैल को कुटी के बाहर झाड़ी के पास वाचर मनोज पर हमला करके घायल किया और गुरुवार को साधु शिवपूजन के बड़े भाई 70 वर्षीय शिवप्रसाद पर कुटी मे बैठे तेंदुए ने हमला बोल कर घायल कर दिया। इधर शुक्रवार को सेमरहवा में झोपड़ी में छिपकर बैठा तेंदुआ 10 वर्षीय सुन्दरी पर हमला बोलकर घायल कर दिया है।

भाई की शादी में शरीक होने कतर से आये युवक की हादसे में मौत

संवाददाता—गोण्डा। कहते हैं, मौत सात समंदर पार से भी खींच लाती है। ऐसा ही एक वाकया गोंडा जिले के एक युवक के साथ हुआ। खाड़ी देश कतर में नौकरी से छुट्टी लेकर भाई शादी में शरीक होने गांव आया। यहां एक हादसे में काल के गाल में समा गया। कतर से एक सप्ताह पहले गांव आए युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। युवक एक सप्ताह बाद होने वाली छोटे भाई की शादी में सम्मिलित होने आया था लेकिन अचानक दुर्घटना में उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घर में शादी की खुशियों का माहौल अचानक मातम में बदल गया। क्षेत्र के विशुनपुर निवासी अमित मिश्रा उर्फ पिंटू (34) बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे दोस्त समय कुमार शर्मा (35) निवासी महराजगंज के साथ बाइक पर सवार होकर तरबगंज से गांव आ रहा था। तभी तरबगंज—डुमरियाडीह मार्ग पर पांडेय पुरवा के पास सामने से आ रहे बाइक सवार से टक्कर हो गई। दुर्घटना में बाइक चालक समय कुमार व पीछे सवार अमित दोनों को चोटें आयीं, जिस पर उन्हें सीएचसी तरबगंज ले जाया गया। घायल दोनों युवक को गोंडा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया। जहां पहुंचने पर गंभीर रूप से घायल अमित ने दम तोड़ दिया, जबकि उसके दोस्त का इलाज चल रहा है।

नियम उल्लंघन पर 103 वाहनों का चालान

संवाददाता—श्रावस्ती। यातायात नियमों का पालन कराने को लेकर पुलिस की ओर से वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एसपी के निर्देशन में विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की ओर से वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें विभिन्न स्थानों पर स्थित बैरियर व चेक पोस्ट पर चेकिंग लगाकर वाहनों के कागजात, तीन सवारी, हेलमेट आदि की जांच की गई। इस दौरान 103 वाहनों को यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाया गया। जिनका मोटर अधिनियम के तहत ई—चालान कर एक लाख 25 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

कच्ची शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव को लेकर कच्ची शराब की बिक्री, निर्माण व परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कच्ची शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान थाना सिरसिया पुलिस ने रामकुमार उर्फ कुंवारे पुत्र राम अधार निवासी आसमान सिंह टिटिहिरिया थाना सिरसिया के कब्जे से 19 लीटर कच्ची शराब बरामद किया। बरामद शराब को जब्त कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम का मामला दर्ज किया गया।

तीर्थ यात्रियों के लिए तीर्थ की संपूर्ण जानकारी निशुल्क उपलब्ध करायेगा तीर्थ ऐप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या के सद्गुरु सदन, पापमोचन घाट से सिद्ध संत महंत सिया किशोरी शरण महाराज ने अयोध्या से तीर्थ यात्रियों की सुविधा एवं सहयोग के लिए निशुल्क तीर्थ डांट कांम ऐप को किया लॉन्च, इस ऐप में सभी तीर्थ स्थलों की जानकारी होगी, जिससे व्यक्ति आसानी से अपने काम की सारी जानकारी एवं सुविधा प्राप्त कर सकता है और यह सारी व्यवस्थाएं निशुल्क रहेगी। इस अवसर पर उपस्थित रहे आईएएस रमाशंकर पाण्डेय बताया कि तीर्थ समय की मांग है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों और भारत आने वाले एनआरआई के लिए। यह मंच मार्गदर्शन और अज्ञात धार्मिक स्थानों की खोज में बहुत मदद करेगा।

तीर्थ के संस्थापक सीओ प्रियदर्शी ने कहा तीर्थ का उद्देश्य तीर्थ यात्रियों की सेवा करना है और भगवान की सेवा करने का सबसे अच्छा तरीका उन लोगों की सेवा करना है जो भगवान के मार्ग पर है। तीर्थ यात्रियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनकी तीर्थयात्रा के दौरान सूचनात्मक बाधाएं हैं। यह प्राथमिक समस्या है जिसे तीर्थ हल कर रहा है। दर्शन और धर्मशालाओं के लिए बुकिंग जैसी अतिरिक्त सुविधाओं के साथ अल तीर्थ यात्रा और तीर्थ मोबाइल ऐप सहित कई और मॉड्यूल 6 के भीतर लॉन्च किए जाएंगे और बहुत जल्द तीर्थ यात्रियों के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। इस अवसर पर इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव फेलो, टाटा ग्रीन बैटरीज के पूर्व सीईओ और हेला इंडिया लाइटिंग लिमिटेड के पूर्व एमडी राहुल जैन शामिल शामिल हुए जिनका भी बहुत योगदान रहा। इस अवसर पर सद्गुरु सदन मंदिर के अधिकारी बालमुकुंद दास भी मौजूद रहे।

दो साल बाद भी घरों में नहीं पहुंचा पानी

संवाददाता—महराजगंज। धानी ब्लाक के ग्राम बरजी में हर घर नल योजना को जिम्मेदार पलाप करने में लगे हैं। अधिकारियों और ठेकेदार के मनमानी रवैया से योजना बेमतलब साबित हो रहा है। नया पाइप लाइन अब तक सभी घरों तक नहीं बिछाया गया है। जबकि दो वर्ष पूर्व नया ओवर हैड टैंक बनना शुरू हुआ था। करीब 3500 की आबादी वाले इस गांव में कुछ ही घरों तक ही पाइप लाइन पहुंच पाया है। गांव के कन्हैया यादव, राज कुमार, महेन्द्र, कैलाश तिवारी, आशीष यादव, महेंद्र, अविनाश प्रताप सिंह, प्रधान सत्येन्द्र यादव ने बताया कि पूरा गांव पानी की समस्या से परेशान है। गर्मी के दिनों में नल से भी पानी नहीं आता है। जिससे लोग पानी खरीद कर पीने को मजबूर हैं। डेढ़ वर्ष से अधिक समय हो गया लेकिन ओवर हैड टैंक पूरी तरह नहीं तैयार हो पाया है। वहीं जेई अजीत सिंह का हमेशा की तरह फिर यही कहना है कि पानी की टंकी और पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूरा किया जा रहा है।

थ्रेशर में फंसकर मासूम की मौत, बाबा घायल

संवाददाता—गोण्डा। खेत में गेहूं की फसल की मड़ाई करते समय पांच साल के मासूम की थ्रेशर के सॉफ्ट में फंसने से मौत हो गई। बचाने के प्रयास में मासूम के बाबा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला मुख्यालय के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मासूम की मौत से परिजन रो—रोकर बेहाल हैं। देहात कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत हरखापुर बिरसिंहपुर निवासी इंद्रभान दुबे ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर वह अपने खेत में गेहूं की फसल की मड़ाई कर रहे थे। साथ में बेटा अर्पित (5) व बुजुर्ग पिता रामफेर के साथ परिवार के अन्य लोग भी गए थे। गेहूं की मड़ाई शुरू हुई तो बेटे अर्पित को थ्रेशर के पास पन्नी बिछाकर बैठा दिया। परिवार के लोग गेहूं की मड़ाई में जुटे थे। इसी बीच तेज हवा के झोंके से पन्नी उड़कर थ्रेशर के सॉफ्ट में फंस गई। जब तक चालक ट्रैक्टर बंद करता मासूम अर्पित भी पन्नी के साथ सॉफ्ट में फंस गया। इससे मौके पर ही अर्पित की मौत हो गई। बचाने दौड़े बाबा रामफेर भी सॉफ्ट की चपेट में आकर लहूलुहान हो गए। हादसे से वहां चीखपुकार मच गई। गंभीर रूप से घायल रामफेर को परिजनों ने मुख्यालय स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

रामार्चा पूजन से व्यक्ति ही नहीं बल्कि जगत का कल्याण होता है

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
अयोध्या। रामार्चा पूजन से व्यक्ति का ही नहीं बल्कि चराचर विश्वका कल्याण और यह पूजन भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में श्री राम जी के लिए सर्वोत्तम माना गया है उक्त बातें नूतन वर्ई चौरसिया समाज मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामपत दास महाराज ने बताया उन्होंने बताया की अयोध्या में नवीन निर्माण के कारण प्रदूषण बढ़ गया था इसके लिए मंदिर परिसर में विराट लक्ष्मी यज्ञ संत सम्मेलन और श्रीराम कथा करके शुद्ध किया गया। उन्होंने बताया यज्ञ हवन से मानसिक लाभ उस व्यक्ति को मिलता है जो संकल्प लेता है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं,लेकिन समाज को भी इसे लाभ मिलता है वातावरण शुद्ध होता है और जब वातावरण शुद्ध रहता है तो मनुष्य ही नहीं बल्कि जीव को भी इसका लाभ मिलता है।

यज्ञ अनुष्ठान के बाद मंदिर में शुक्रवार को श्री रामार्चा पूजन भी वैदिक विद्वानों द्वारा संपन्न कराया गया। इस महान अनुष्ठान में मुख्य रूप से सत्यनारायण दास करैया

वारा नेपाल द्वारा सवा लाख पर पार्थिव पूजन अखंड रामायण का पाठ का संकल्प लेकर के कराया गया। इसमें मुख्य रूप से हनुमान दास महाराजगंज, चंद्रमणि महाराजगंज, शिववरण दास रायबरेली सहित सैकड़ो भक्त गण सहयोगी रहे।

इस अवसर पर श्री राम कथा कहते हुए स्वामी राधेश्याम शास्त्री महाराज ने बताया श्री राम कथा सभी संतापों का हरण करती है वर्तमान समय में मनुष्य नवीन परेशानियों से ग्रसित रहता है और धीरे—धीरे उसका मानसिक स्तर कमजोर हो जाता है ऐसे में अध्यात्म और प्रभुश्री राम कथा ही सभी परेशानियों को दूर करती है इसीलिए युवा पीढ़ी को भी समय निकालकर भगवान की कथा सुनाई चाहिए सद्गुरु का सानिध्य प्राप्त करना चाहिए जिससे वह समाज में आने वाली परेशानियों का सामना कर सके और अपने अंदर लड़ने की क्षमता पैदा कर सके। उन्होंने कहा कि कथा हर क्षण सनी चाहिए और यही कारण है कि कलयुग में हनुमान जी महाराज जहां भी प्रभु श्री राम की चर्चा होती है चाहे वह उनका नाम हो या कथा वह विराजमान रहते हैं।

आग की लपटों में फंसकर जिंदा जला बालक

संवाददाता—बहराइच। तेज रफ्तार घुमड़ते हुए चल रही पछुवा हवाओं में अज्ञात कारणों से आग भड़क उठी। दो मड़हे आग की चपेट में आकर जलने लगे। एक मड़हे में सो रहे पांच वर्षीय मासूम की आग की लपटों में फंसकर जिंदा जलकर मौत हो गई। इस भीषण आग को जब तक बुझाया जाता, सब कुछ जलकर तबाह होने के बाद दमकल पहुंची। हादसे की जानकारी होते ही तहसीलदार अजय कुमार यादव मौके पर पहुंच गए। डीएम ने पीड़ित परिवारों को 24 घंटे के भीतर राहत व अहेतुक सहायता उपलब्ध कराने के एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं।

नानपारा कोतवाली का जूड़ा गांव शिवपुर ब्लाक में पड़ता है। यहां शुक्रवार दोपहर में लगभग 12 बजे लक्ष्मण प्रसाद पुत्र जगन व सनोज पुत्र लक्ष्मण प्रसाद के फूस के मड़हों में आग लग गई। आग लगते ही ग्रामीण बुझाने को दौड़े। तब तक आग भीषण रूप अख्तियार कर चुकी थी। आग लगने की जानकारी दमकल व कोतवाली को दी गई। सूचना पाकर पुलिस व राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। आग से सारी सम्पत्ति जलकर नष्ट हो गई। सनोज के घर मे सो रहे उसके पांच वर्षीय बेटे कुलदीप की झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के वक्त दोनों घरों के लोग खेत पर गेहूं की फसल की कटाई करने गए थे। ग्रामीणों ने नल के सहारे आग बुझाने की कोशिश की। जब तक दमकल मौके पर पहुंचती। दोनों मड़हे व उनमें रखा सभी सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए।

बालक की जीवित जलकर मौत के हादसे की जानकारी पर तहसीलदार अजय कुमार यादव, नायब तहसीलदार सुरेन्द्र कुमार वर्मा, राजस्व निरीक्षक पलटू राम, राजस्व लेखपाल सत्यम साहू मौके पर पहुंचे। तहसीलदार ने बताया कि डीएम के निर्देश पर 24 घंटे में पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाई जाएगी। तब तक त्रिपाल व अन्य सामग्री उपलब्ध करा दी गई है।

निगोह में लगी आग, लाखों के नुकसान का अनुमान

संवाददाता—बहराइच। थाने के ग्राम निगोह में शुक्रवार की दोपहर अचानक फूस के मकान में आग लग गई। जिससे पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। परिवार के लोग दोपहर करीब दो बजे आराम कर रहे थे, तभी अचानक कामरू नाई पुत्र भूलन नाई के मकान में धुआं उठने लगा। कुछ जलने का आभास होने पर परिवार के लोग घर से बाहर निकले तो देखा छप्पर जल रहा है। सभी लोगों ने बाहर निकलकर भाग कर किसी प्रकार अपनी जान बचाई, जब तक गांव वाले आग पर काबू पाने का प्रयास करते, तबतक पूरा आशियाना जलकर राख हो गया। घर के मुखिया कामरू गांव में मांगलिक कार्यक्रम का नेवता बांटने इलाके में गए हुए थे। इस अग्निकांड में घर में रखा 12 कुंतल गेहूं, 8000 नकदी, कपड़ा, बर्तन, पंपिंग सेट, चारपाई, चावल व गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने काफी प्रयास किया, किंतु कोई सफलता नहीं मिली। घर के चारों तरफ पक्के मकान होने के कारण आग गांव में नहीं फैल पाई। क्षेत्रीय लेखपाल शैलेंद्र कुमार वर्मा को जानकारी दी गई। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लेकर तहसील प्रशासन को सौंपने की बात कही है। आग लगने के बाद पूरा परिवार खुले आसमान में जीवन यापन करने पर मजबूर है। गृह स्वामी ने बताया कि दो लाख से अधिक का सामान जलने का अनुमान है।

मतदान केन्द्रों की जल्द दूर की जाएं समस्याएं -एसडीएम

संवाददाता—बलरामपुर। लोकसभा चुनाव को देखते हुए एसडीएम उतरौलासहायक निर्वाचन अधिकारी अवधेश कुमार ने क्षेत्र के तमाम मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र पर गन्दा शौचालय, पेयजल की समुचित व्यवस्था व बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी पाए जाने पर बेसिक शिक्षा विभाग व बिजली विभाग के साथ नपाप उतरौला के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार ने बेसिक विद्यालय गजपुर ग्रिन्ट, इटई रामपुर के अमानतडीह, शाहपुर इटई व भरवलिया में बने शौचालय गन्दे व चोक पाए गए। वहीं नगर पालिका परिषद उतरौला क्षेत्र के 26 मतदान केन्द्र का शौचालय गन्दा एवं खराब पाया गया। बेसिक विद्यालय नेवादा के नल से गन्दा पानी आना पाया गया। गोकुला माफी में लगा नल खराब मिला। मानापार बहेरिया में बिजली कनेक्शन नहीं होना पाया गया। बेसिक विद्यालय बभनी बुजुर्ग में लगे सोलर के खराब होने से बिजली आपूर्ति बंद पड़ी मिली। प्रधानाचार्य की शिकायत पर आपूर्ति करने वाली कम्पनी के मैकेनिक उसे दो माह पहले लेकर चले गए लेकिन अभी तक मरम्मत कर विद्यालय में नहीं लगाए। इसमें बिजली का कनेक्शन नहीं लगा है। एसडीएम उतरौला को अधिकांश मतदान केन्द्रों के बिजली के स्विच, प्लग, साकिट व तार टूटे मिले। इस अव्यवस्था को देखते हुए एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार ने बेसिक शिक्षा विभाग, जिला पंचायत राज अधिकारी, बिजली विभाग व नगर पालिका परिषद उतरौला के अधिकारियों को मतदान केन्द्रों पर तत्काल सुधार कराने का निर्देश दिया है।

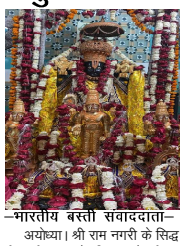

श्री उत्तरतोतद्रि मठ में रामानुज परंपरा के अनुसार मनाया गया भगवान का जन्म महोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
अयोध्या। श्री राम नगरी के सिद्ध पीठ श्री उत्तरतोतद्रि मठ में श्रीमद् जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनन्ताचार्य महाराज के संयोजन में रामानुज परंपरा के अनुसार भगवान का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।श्री उत्तरतोतद्रि मठ में अनुष्ठान का शुभारंभ चौत्र नवरात्रि की शुक्ल पक्ष की पतिपदा वह हो गया था और जगतगुरु अनंताचार्य महाराज के दिशा निर्देशन में नवाहपारयण बधाई गीत के साथ प्रतिदिन भगवान का पंचामृत से अभिषेक विशेष पूजन किया जा रहा था। श्री महाराज जी ने बताया कि भगवान के जन्मोत्सव मनाने की परंपरा वैदिक विधि विधान के अनुसार होता है प्रतिदिन भगवान का अभिषेक किया जाता है और नवमी के दिन यह अभिषेक विशेष हो जाता है उसे दिन पंचामृत के साथ सुगंधी आदि से अभिषेक करके भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाता है और 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त में ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और जैसे ही 12 भगवान का जन्म महोत्सव रामानुज परंपरा के अनुसार मनाया गया। मंदिर के प्रबंधक केशव नारायण दुबे ने बताया कि त्रेता युग से जो परंपराएं चली आ रही हैं मंदिर में इस परंपरा के अनुसार भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया जिसमें हजारों की संख्या में मंदिर से जुड़े शिष्य परिकर वैदिक विद्वान सम्मिलित हुए।

तीन दिन से बिजली गुल, लोगों ने बिजली उपकेन्द्र घेरा

संवाददाता—श्रावस्ती। गर्मी आते ही बिजली आपूर्ति में समस्या बढ़ गई। अघोषित बिजली कटौती से तो लोगों को मुश्किल हो ही रही ऊपर से लो—वोल्टेज भी बड़ी समस्या बन रही है। वहीं बिजली लाइन में खराबी होने पर बिजली कर्मचारियों की ओर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जमुनहा क्षेत्र में उरलहवा विद्युत उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति की जाती है। तीन दिन से बिजली न मिलने बदला बैजनाथपुर के ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर शुक्रवार को उपकेन्द्र का घेराव कर दिया। बताया जाता है कि तीन दिन पहले बदला चौराहा से रानीसीर चिरैया को गई 11 हजार विद्युत लाइन का बिजली पोल टूट गया था। इससे बदला बैजनाथपुर गांव की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। लोगों ने विभाग को सूचित किया लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया। इससे तीन दिनों से गांव की बिजली बाधित है। बिजली न मिलने से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और दर्जनों की संख्या में बिजली उपकेन्द्र पहुंच गए। लोगों ने नारागजी जताते हुए अवर अभियंता से मिलकर बिजली पोल लगवाकर बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की। लोगों ने कहा कि तीन दिन से बिजली नहीं है। गर्मी में लोगों को काफी समस्या हो रही है। साथ ही रात में गांव अंधकार में डूबा रहता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भजनानंदी संत सियाराम शरण की पुण्यतिथि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
अयोध्या। अयोध्या सिद्ध और भजनानंद संतो का गढ़ रही है। इसी नगरी में लगभग पांच दशक पहले मां सरयू तट के किनारे सरयू कुंज मंदिर वशिष्ठ कुंड दुराही कुआं के संस्थापक साकेत वासी सिद्ध संत सियारामशरण सखी बाबा की पुण्य—तिथि बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। सियारामशरण सिद्ध संत थे सरयू के तट पर आश्रम बना कर संतो, वृद्धों, असहायों और गौ सेवा निरंतर किया करते थे। उनका कहना था कि मानव जीवन पाना बहुत ही दुर्लभ है और मनुष्य को जब यह जीवन प्राप्त हो जाय तो उसको निरंतर सेवा ही करनी चाहिए सेवा से ही भगवत की प्राप्ति हो सकती है।

सरयू कुंज के वर्तमान महंत राममिलन शरण ने बताया कि श्री महाराज जी सेवा के प्रतिमूर्ति थे और लगभग 5 दशक पहले श्री महाराज जी अयोध्या में आये और आश्रम की स्थापना कर सेवा करने लगी तब से आज तक आश्रम में निरंतर सेवा चलती रहती है। इस अवसर पर परमहंस आश्रम के महंत गोविंद दास, महंत सत्येंद्र दास वेदांती, महंत जयरामदास, महंत गणेशानंद दास, महंत संतोष दास, महंत उद्धव शरण, महंत वीरेंद्र दास, पार्षद प्रतिनिधि प्रियांश दास सहित सैकड़ों संतों महंतों मंदिर परिसर से जुड़े शिष्य परिकर श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित किए।

45 बीघा गेहूं व कई आशियाने जले,पांच घंटे तक गांव में लगी रही आग

संवाददाता—बलरामपुर। हर्रैया सतघरवा ब्लाक के दो गांवों में हुए अग्निकांड में 45 बीघा गेहूं की फसल और लगभग एक दर्जन लोगों के आशियाने जलकर खाक हो गए हैं। आग से घरों में रखा गृहस्थी का सामान व जेवरात आग की भेंट चढ़ गए। दमकल कर्मियों की काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। वहीं आग बुझाने में दो लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं जिनका इलाज शिवपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चल रहा है। राजस्व की टीम गांव में पहुंचकर क्षति का आंकलन किया है। शुक्रवार को दिन में करीब 12 बजे हर्रैया सतघरवा ब्लाक के नेवलगंज ग्राम पंचायत के मजरे आनंदपुरवा में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सबसे पहले ग्रामवासी रवि प्रताप वर्मा के घर में आग लगने की बात बताई जा रही है। तेज धूप व हवाओं के चलने से कुछ ही देर में आग ने प्रचंड रूप धारण कर लिया। ग्रामवासियों के अथक प्रयास के बावजूद आग की लपटें आस पास फैलती चली गईं। गांव के हरि प्रसाद, राम पूरन, ओंकार, कृष्ण कुमार, धनपता, गीता देवी, अमरनाथ, सुंदरी, शिव कुमार व सर्वजीत के आशियाने आग की भेंट चढ़ गये। इन सभी के घरों रखा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामवासी कृष्ण कुमार व रवि प्रताप के घर में बंधे मवेशी की जलकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने आग लगने सूचना प्रशासन के साथ—साथ अग्निशमन केन्द्र को दी। करीब एक घंटे बाद दमकल की गाड़ी गांव में पहुंची। फायर ब्रिगेड कर्मियों व ग्रामीणों को आग बुझाने में करीब चार घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। अग्निकांड की सूचना पाकर सदर तहसीलदार व सीओ ज्योति श्री राजस्व व पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंची। हल्का लेखपाल हरिश्चन्द्र सिंह ने क्षति का आंकलन किया है। लेखपाल के मुताबिक लगभग 20 लाख का नुकसान अग्निकांड पीड़ितों का हुआ है। घर में अचानक आग लगने बाद रवि प्रताप वर्मा व उनके दादा चिंताराम ने आग पर काबू पाने के लिए काफी प्रयास किया। आस पास पानी न मिलने से मिट्टी इत्यादि फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे थे। साथ ही घर रखे सामान को भी बचाने में लगे रहे। जिस कारण रवि प्रकाश व दादा चिंताराम बुरी तरह झुलस गए। अग्निकांड में रवि प्रकाश का सबसे अधिक नुकसान हुआ है। घर में रखी बाइक धू—धूकर जल गई। घर में खुले किराना की दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इसके अलावा पंपिंग सेट मशीन, साइकिल, चारा मशीन, नकदी व जेवरात भी जलकर खाक हो गए हैं। रवि प्रताप वर्मा के घर में न तो खाने को कुछ बचा है और न ही पहनने को। अग्निकांड में गीता देवी की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। गीता देवी का रो—रोकर बुरा हाल है। आगामी 29 अप्रैल को उनकी लड़की मनीषा की शादी है। लड़की की शादी के लिए गीता देवी ने सारे इंतजाम पूरे कर लिए थे। जेवरात, बर्तन, कपड़े व अन्य आवश्यक सामग्री खरीदकर घर में रख लिया था, जो सब आग की भेंट चढ़ गया। गीता देवी रो—रोकर कह रही हैं कि पति की मौत पहले ही हो चुकी है। कर्ज इत्यादि लेकर किसी तरह से बेटी के शादी का इंतजाम किया था, उसे आग ने निगल लिया। अब उनकी बेटी के हाथ कैसे पीले होंगे, कुछ नहीं सूझ रहा। सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग के बनकटवा रेंज में शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे आग लग गई। आग की लपटें धीरे—धीरे पास के गेहूं खेत तक पहुंच गई, जिससे गोरखपुर निवासी बेचन की संगीतपुर गांव के पास लगा 45 बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने आग लगने की सूचना अग्निशमन केन्द्र को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड कर्मियों के आधा घंटा कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हल्का लेखपाल सुरेश कुमार ने बताया कि क्षति का आंकलन कर तहसील को रिपोर्ट भेज दी गई है। राजेन्द्र बहादुर, एसडीएम सदर ने कहा कि अग्निकांड की घटना में हुए क्षति का आंकलन हल्का लेखपाल से कराया गया है। अग्निकांड पीड़ितों को अतिशीघ्र क्षतिपूर्ति दिलाई जाएगी।

मेडिकल जांच के बाद ही कटेगी मतदान कार्मिकों की ड्यूटी

संवाददाता—गोण्डा। लोकसभा चुनाव के लिए जिले के करीब 15 हजार कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें पीठासीन अधिकारी, प्रथम मतदान अधिकारी, द्वितीय मतदान अधिकारी, तृतीय मतदान अधिकारी शामिल हैं। स्वास्थ्य के आधार पर कई कार्मिकों ने ड्यूटी से मुक्त करने के लिए प्रार्थनापत्र दिया। डीईओ नेहा शर्मा ने बताया कि इन आवेदनों पर मेडिकल टीम द्वारा चिकित्सीय परीक्षण किया जाएगा। मेडिकल टीम द्वारा दिए गए निर्णय के आधार पर ही कार्मिकों की चुनाव ड्यूटी से मुक्त किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कुछ कार्मिकों ने आवेदन पत्र के साथ चिकित्सक के पर्चे की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए निर्वाचन ड्यूटी से मुक्त करने का अनुरोध किया है। इन कार्मिकों का चिकित्सीय परीक्षण सीडीओ की अध्यक्षता में 24 व 25 अप्रैल को किया जायेगा। इसके लिए अफसरों की टीम गठित की गई है। इसमें सीडीओ अध्यक्ष, डीडीओ, बीएसए, एसीएमओ डा. सीके वर्मा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। टीम की मौजूदगी में 24 व 25 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक विकास भवन सभागार विकास सभागार में मतदान कार्मिकों का मेडिकल परीक्षण किया जाएगा।

10 हजार के लालच में युवा कल्याण अधिकारी ने गंवाए 34.76 लाख, 2 माह में कई बार भेजे रुपये

संवाददाता–गोरखपुर। ऑनलाइन फ्रॉड के शिकार हुए जिले के एक अधिकारी अब पैसा वापसी की पुलिस अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं।दस हजार रुपये के गिफ्ट के चक्कर में जिले में तैनात एक युवा कल्याण अधिकारी ऐसे फंसे कि 35 लाख रुपये गंवा दिए। जब कहीं से पैसा देने को नहीं बचा तब जाकर उन्हें साइबर जालसाजी की जानकारी हुई।

अधिकारी का दिमाग जालसाजों ने इस कदर भ्रमित कर दिया कि लालच के चक्कर में 35 लाख रुपये में से 15 लाख तो उन्होंने बैंक से लोन लेकर दे दिया है। पीड़ित अधिकारी ने अब पुलिस में शिकायत की है। साइबर थाने में केस दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी के पद पर गोरखपुर के दक्षिणांचल इलाके के एक ब्लॉक में तैनात अधिकारी के मोबाइल पर दो फरवरी को टेलीग्राम पर एक संदेश आया। बताया गया कि दस हजार रुपये लगाकर उससे वे रुपये कमा सकते हैं और गिफ्ट अलग से मिलेगा। इसी लालच में आकर अधिकारी ने पहली बार दस हजार रुपया लगा दिया। इसके बाद उन्हें बदले में दस हजार रुपये बढ़कर मिले।

इसके बाद तो अधिकारी की लालच बढ़ती ही गई। वह रुपया लगाते चले गए। एक बार उन्हें संदेश मिला कि इस बार बहुत बढ़ा गिफ्ट आ गया। उन्होंने खोला तो उसमें तीन लाख रुपये का बाउचर दिखा लेकिन उसे पाने के लिए फिर रुपये डालने को कहा गया। क्योंकि उस वक्त तक वे जितना रुपये जीते थे वह रुपया माइनस में दिखा रहा था। एक बार फिर जालसाज के बुने गए जाल में अधिकारी फंसे और रुपया डाल दिए। कुल मिलाकर 6 अप्रैल तक वह कर्ज लेकर 34 लाख 76 हजार रुपये जालसाज के खाते में भेज दिए और जब भेजने के लिए उनके पास कुछ नहीं बचा तो तब उन्हें ठगी की जानकारी हुई। अब उन्होंने केस दर्ज कराकर रुपये वापसी के लिए पुलिस से सिफारिश की है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि तहरीर के आधार साइबर थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ी बारातियों की बस, चालक समेत दो गंभीर रूप से घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली कस्बा के थाना रोड पर गुरुवार रात अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली और बारातियों की बस में सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना बाद केबिन में बुरी तरह से फंसे चालक को आगे का शीशा तोड़कर लोगों ने बाहर निकाला। बस में सवार आधा दर्जन बाराती मामूली रूप से चुटहिल हो गए।

इस दौरान चपेट में आकर बाइक चालक चुटहिल हो गया। आनन फानन में उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर ले जाया गया। बस और बाइक चालक की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। भिड़ंत के बाद तेज आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकल गए। अफरा–तफरी बन गई थी। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। दूसरे वाहन से बारातियों को गतंव्य स्थल के लिए रवाना किया।

गोरखपुर जिला के उरुवा से बारात लेकर बस बस्ती जिला के बनकटी जा रही थी। बस कंडक्टर मुकेश मिश्र के अनुसार लगभग चालीस बाराती सवार थे। बस जैसे ही महुली थाना गेट से चौराहे की तरफ बढ़ी। इसी दौरान स्टेट बैंक निकट सामने से आ रही अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली ने सीधे बाराती बस को जोरदार टक्कर मार दिया। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्राली को छोड़कर भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ट्राली को थाने उठा ले गई। दुर्घटना के बाद बस चालक रामाज्ञा (35) पुत्र लालचन्द्र केबिन में फंस गया। बचाव करने पहुंचे लोगों ने बस के आगे का शीशा तोड़कर चालक रामाज्ञा को बाहर निकाला। कंडक्टर मुकेश मिश्र के अलावा बाराती सोनू, अभिषेक, मोहन आदि मामूली रूप से चुटहिल हो गए। चपेट में आकर बाइक सवार अखिलेश कुमार चुटहिल हो गया।

आनन फानन में उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर ले जाया गया। बस चालक रामाज्ञा और अखिलेश की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालत गंभीर होने की बात कही जा रही है। पुलिस फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुट गई है। बारातियों को दूसरे वाहन के माध्यम से गतंव्य स्थल रवाना किया गया।

पुरुषोत्तम रुपाला के बयान पर आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अखिल क्षत्रिय महासभा सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष राजन सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी भाजपा पुरुषोत्तम रुपाला की ओर से क्षत्रिय समाज की महिलाओं के प्रति दिए गए अमर्यादित भाषा पर आक्रोश जताया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री से हटाने के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। वक्ताओं ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व उन्हें तत्काल भाजपा का प्रत्याशी पद से हटाए, अन्यथा जिस तरह से पूरे भारत में क्षत्रिय समाज इस बात को लेकर आंदोलित है। जनपद के भी क्षत्रिय महासभा के लोग आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्प हैं। संचालन हरेंद्र बहादुर सिंह ने किया। रत्नेश सिंह प्रिंस, अखंड प्रताप सिंह, सत्यानंद सिंह, कृष्ण पाल सिंह, कृष्ण बहादुर सिंह, गोपाल सिंह, रजनीश सिंह, जय प्रकाश सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, करण सिंह, विनीत सिंह, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, अमित सिंह, शत्रुघ्न सिंह की उपस्थिति रही।

पतंजलि चिकित्सालय का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यज्ञ, योग और आयुर्वेद हमारी प्राचीन जीवन शैली और चिकित्सा पद्धति है वस्तुतः इसी से जीवन सुरक्षित, व्यवस्थित और निरोगी हो सकता है। इसे अपनाकर रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। यह बातें सेवानिवृत्त कर्नल के सी मिश्र ने शुक्रवार को पतंजलि चिकित्सालय सुरतीहट्टा बस्ती के उद्घाटन करते हुए कही। इससे पूर्व वैदिक यज्ञ कराते हुए पुरोहित हरिहर मुनि वानप्रस्थी ने साल के बारहों महीनों में पालन करने योग्य आहार विहार के बारे में बताते हुए सबको आहार विहार अपनाने की प्रेरणा दी। डा नवीन सिंह राष्ट्रीय महासचिव विश्व संवाद परिषद ने बताया कि आयुर्वेद मानव जीवन को निरोगी बनाने के लिए ऋषियों के द्वारा स्थापित पद्धति है जो पूरे विश्व के मानवों के लिए समान रूप से सहयोगी है।

इस अवसर पर ओम प्रकाश आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान समिति बस्ती ने कहा कि संस्था आमजनमानस के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए कृत्संकल्प है। संस्था ने लोगों के लिए हरिद्वार से प्रशिक्षित चिकित्सक वैद्य अजय चौधरी द्वारा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श की व्यवस्था की है।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रवीण कुमार अग्रवाल,योग शिक्षक अजीत कुमार पाण्डेय, नदीश्वर दत्त ओझा, रवि चौबे, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, अश्वनी ओझा, समाजसेवी अंकुर वर्मा, डा कुलदीप मिश्र, समाजसेवी विनोद शुक्ल, देवर्षि, प्रमोद मद्धेशिया, नरेश सडाना, हरिओम यादव, ओंकार आर्य, अलख निरंजन आर्य, आनन्द स्वरूप आर्य, डा वी के श्रीवास्तव, आदित्य नारायण गिरि, आदित्य आर्य, अंश आर्य, अरविन्द श्रीवास्तव, दिनेश मौर्य, नितीश कुमार, शिव श्याम, श्याम कुमार, गौरव कुमार, दिलीप कुमार, राजदेव, राजकुमार सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

एसटीएफ और वन विभाग के हत्थे चढ़े तस्कर, 676 तोते बरामद

संवाददाता–गोरखपुर। वन विभाग और एसटीएफ ने संयुक्त रूप से तिनकोनिया रेंज के नंदानगर अंडरपास से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके पास से प्रतिबंधित 676 तोते (रोजरिंग पैराकीट) बरामद किए गए। तीनों तस्करों की पहचान राजघाट थाना क्षेत्र के छोटे काजीपुर निवासी रईस अहमद, रायगंज निवासी मोहम्मद इम्तियाज और बिहार पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र मिस्का टोला निवासी मंसूर आलम के रूप में हुई। इनका एक साथी शमशाद मौके से फरार हो गया। केस दर्ज कर तीनों न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेजा गया। इन तस्करों में रईस अहमद सरगना है जो अपने गिरोह से बहराइच समेत अन्य जगहों से तोतों को पकड़वाता है। इसके बाद उन्हें पिंजरे में रखकर बिहार के पटना ले जाकर बेचते थे। एक जोड़े तोते के बदले उन्हें 600 रुपये मिलते थे। रईस पहले भी कई बार तस्करी में जेल जा चुका है। डीएफओ विकास यादव के पास वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली से सूचना मिली थी कि गोरखपुर वन प्रभाग क्षेत्र से तोतों की तस्करी की जा रही है। तस्कर बिहार से खाली पिंजरे लेकर पहुंचे हैं। इसके बाद प्राइवेट गाड़ी से तोतों को लेकर बिहार जा रहे हैं। इस सूचना के आधार पर उप वनाधिकारी हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में तिनकोनिया रेंजर लव सिंह व एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ल ने टीम के साथ संयुक्त रूप से तिनकोनिया रेंज में घेराबंदी की। नंदानगर अंडर पास के पास भाग रहे एक बोलेरो को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास दो मोबाइल फोन, एक की पैड, 13 हजार 300 रुपये भी बरामद हुए। उप वनाधिकारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि पूछताछ में तस्करों ने बताया वह सात–आठ वर्षो से सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर व मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित तोतों को पकड़ते थे। रईस के गोरखपुर स्थित घर लाकर तोतों को पिंजरे में पैकिंग करते हैं। इसके बाद प्राइवेट गाड़ी से दूसरे राज्यों में ले जाकर बेच देते थें।

गगहा के युवक की हत्या कर झंगहा में फेंका शव

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत बौठा के पास राप्ती नदी के किनारे गगहा थानाक्षेत्र के सोनाई कुटिया निवासी उदयभान (21) पुत्र सुखदेव का शव मिला। युवक के सिर, आंख व कान में गंभीर चोटें है। उसकी बेरहमी से पीटकर हत्या किया गया है। शव मिलने की सूचना पर झंगहा पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों के मुताबिक उदयभान शुक्रवार की सुबह छह बजे के करीब राप्ती नदी के किनारे शौच के लिए गया था। दो तीन घण्टे बाद उसका छोटा भाई धीरेन्द्र गांव के दो लडको के साथ नदी के तरफ गया। उसने देखा कि नदी के किनारे एक युवक गिरा हुआ था। जिसका सिर पानी में था। लड़कों ने शोर मचाया। शोर सुनकर ग्रामीण पहुंचे। उसको नदी से बाहर निकाला। उसकी पहचान उदयभान के रूप में कई गई। युवक का एक कान कटा हुआ था। सिर में पीछे गंभीर चोट का निशान था। झंगहा थानेदार सूरज सिंह ने बताया कि उसकी गगहा क्षेत्र में हत्या करके उसके शव को झंगहा क्षेत्र में राप्ती नदी में किनारे फेंका गया था। पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक दलित उदयभान तीन भाइयों में बड़ा था। उसके दो अन्य भाई धीरेंद्र व अनूप है और उसकी एक बहन है। मृतक अपने परिवार का इकलौता कमाऊ था। वह बाहर पेंट पॉलिश करके परिवार का पालन पोषण करता था। वह अविवाहित था। घटना की सूचना पर झंगहा थाने पर पहुंची उसकी मां आशा देवी बिलख रही थी।

पैरामिलिट्री फोर्स की नजर में रहेंगे 383 मतदान केंद्र

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा से पहले प्रशासन मतदान की तैयारियों को चुस्त दुरुस्त बनाने में जुटा हुआ है। जिले के 383 मतदान केंद्रों पर पैरामिलिट्री फोर्स की निगरानी में मतदान होगा। मतदान के दौरान जिले के 2178 मतदेय स्थलों में से 383 मतदान केंद्रों को संवेदनशील व अति संवेदनशील श्रेणी में चिह्नित किया गया है।

लोकसभा क्षेत्र डुमरियागंज के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के दिन गड़बड़ी की आशंका वाले मतदेय स्थलों को चिह्नित कर लिया है। चुनाव के दौरान इस लोकसभा क्षेत्र में जिले की पांच विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र कपिलवस्तु, बांसी, शोहरतगढ़, डुमरियागंज और इटवा शामिल है। यहां की सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से मतदान प्रक्रिया पूरी कराने के लिए प्रशासन चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले ही तैयारी पूरी करने में जुटा है। संवेदन व अतिसंवेदनशील मतदेय स्थलों की पड़ताल कराई गई। इसमें पांचों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 383 संवेदनशील मतदेय स्थलों को चिन्हित किया गया है।

उमाशंकर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। संवेदन व अतिसंवेदनशील पोलिंग बूथों की पड़ताल करा ली गई है, ऐसे मतदेय स्थलों पर पैरामिलेट्री फोर्स भी तैनात की जाएगी।

मत्स्य पालन में किसानों के आड़े नहीं आएगी धन की कमी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में मत्स्य पालन करने वालों को रुपए की कमी अब आड़े नहीं आएगी। तालाबों पर भी किसानों को किसान क्रेडिड कार्ड से रुपया मिलेगा। एक एकड़ के तालाब पर मत्स्य पालक को दो लाख रुपए तक का केसीसी मिलेगा। किसान इसके लिए मत्स्य पालन विभाग में आवेदन कर सकते हैं। एक एकड़ तालाब पर किसानों को दो लाख रुपए तक की केसीसी मिल जाएगी।

मत्स्य पालन के क्षेत्र में रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। तालाबों से बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार मिल रहा है। कभी–कभी रुपए की कमी की वजह से मत्स्य पालक तालाबों की मरम्मत या फिर मछलियों को पर्याप्त मात्रा में भोजन नहीं दे पाते हैं। इन्हीं समस्याओं से निजात दिलाने के लिए तालाबों पर केसीसी दिए जाने की योजना लांच की गई है। बीते वित्तीय वर्ष में छह सौ मत्स्य पालकों को केसीसी कार्ड दिया गया था। इससे मत्स्य पालकों को मछलियों का उत्पादन में सहूलियत मिली। मत्स्य पालकों ने तालाबों से मछली बेच कर केसीसी की धनराशि समय से बैंकों में जमा कर दी। मत्स्य पालक तालाब पर केसीसी लेने के लिए जरूरी दस्तावेज भी जमा करने होंगे। केसीसी के लिए किसानों को बैंक पासबुक, आधार कार्ड और तालाब से जुड़े प्रपत्र जमा करने होंगे। यदि तालाब निजी है तो मत्स्य पालक को खसरा खतौनी लगाना होगा। इसके अलावा पट्टे के तालाब पर पट्टा आवंटन का पत्रक जमा करना होगा। कार्यकारी अधिकारी मत्स्य विजय कुमार मिश्र मत्स्य पालक केसीसी के लिए कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। विभाग से केसीसी फार्वर्ड कर बैंकों को भेज दिया जाता है। बैंक से मत्स्य पालक को केसीसी प्रदान की जाती है।

दुकान का ताला तोड़ते सीसीटीवी में कैद हुए चोर

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज कस्बा स्थित सोनार गली में गुरुवार की रात चोरों ने सराफा की दुकान के शटर का ताला तोड़ने का प्रयास किया। चोरी की पूरी हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। व्यापारी नेता प्रभुनाथ सोनी ने कहा कि रात में ही कोतवाल को फोन कर सूचना देने की कोशिश की लेकिन उनका फोन नहीं उठा। तब उन्होंने 112 पर फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। गुरुवार की रात कोतवाली से महज 150 मीटर दूर सोनार गली में चोरों ने बबलू वर्मा, अनामिका ज्वेलर्स व रियाज अहमद के घर का शटर का ताला तोड़ने का प्रयास शुरु किया। गली में कई व्यापारियों ने सीसीटीवी कैमरा लगा रखा है। इस दौरान किसी व्यापारी ने अपने मोबाइल पर चोरी करने का प्रयास करते चोरों को देख लिया। उसने अन्य व्यापारियों को सूचित किया। जब तक व्यापारी गली में पहुंचते तब तक चोर फरार हो गए।

तीन गांव के खेतों में लगी आग, 50 घर जले

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल क्षेत्र स्थित तीन गांवों के खेत में जले डंठल की वजह से शुक्रवार की दोपहर भीषण आग लग गई। जिसके बाद गांव में अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों ने गांव को खाली कर दिया। बताया जा रहा है कि 50 से अधिक घर जलकर राख हो गए हैं, दमकल और ग्रामीण आग बुझाने में जुटी रही।

शिक्षक के वाहन पर मनबढ़ों ने फेंका पत्थर, प्रधानाचार्य ने दी तहरीर

संवाददाता–गोरखपुर। बापू इंटर कालेज के शिक्षक की कार गुरुवार को विद्यालय के बाहर बाउंड्री के पास खड़ी थी कि दोपहर में किसी अराजक तत्व ने कार पर पत्थर फेंक दिया जिसको लेकर प्रधानाचार्य डॉ. बृजेश कुमार यादव ने पीपीगंज पुलिस को तहरीर दी। पीपीगंज पुलिस जांच करते हुए एक संविदा कर्मी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है।

पीपीगंज थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम आनंद सिंह ने कहा कि शिक्षक के वाहन पर पत्थर फेंका गया था। पूछताछ में एक संविदा कर्मी को हिरासत में लिया गया है।

बसपा की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बसपा विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता बैठक शुक्रवार को हुई। जिसमें लोकसभा चुनाव को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि मुख्य सेक्टर प्रभारी बस्ती मंडल रामसूरत चौधरी रहे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिनेश चंद्र गौतम ने किया।जिला उपाध्यक्ष शमीम अहमद, लोकसभा प्रत्याशी ख्वाजा शमसुद्दीन, विधान सभा प्रभारी भरत लाल निषाद, आशीष कुमार गौतम, विनोद कुमार राव, सत्येंद्र कुमार गौतम, मेहताब इदरीसी, मोहम्मद कैफ उपस्थित रहे।

दिल्ली, जम्मू, गुवाहाटी समेत कई प्रमुख स्थानों के लिए चलेंगी समर स्पेशल ट्रेन

संवाददाता–गोरखपुर। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे दिल्ली, जम्मू, गुवाहाटी समेत कई प्रमुख स्थानों के लिए समर स्पेशल ट्रेन चला रही है।इन ट्रेनों के चलने से हजारों यात्रियों को अपने गंतव्य तक जाने में काफी सुविधा होगी। गर्मी में होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने दिल्ली, जम्मू, गुवाहाटी समेत कई प्रमुख स्थानों के लिए समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। गुवाहाटी से जम्मू तक जाने वाली समर स्पेशल ट्रेन गोरखपुर स्टेशन से होकर जाएगी। इससे लंबी दूरी के यात्रियों को राहत मिलेगी। गोरखपुर से श्रीगंगानगर के अलावा ग्वालियर–बरौनी के बीच भी समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

गुवाहाटी–जम्मूतवी–गुवाहाटी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी छह मई से एक जुलाई तक प्रत्येक सोमवार को गुवाहाटी से और नौ मई से चार जुलाई तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को जम्मूतवी से नौ फेरों के लिए चलाई जाएगी। गोरखपुर से यह ट्रेन जम्मूतवी के लिए शाम 6:55 बजे चलेगी। दूसरे दिन शाम 05:35 बजे जम्मूतवी पहुंचेगी। जम्मूतवी से यह सुबह 10 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह गोरखपुर पहुंचेगी। दूसरी ट्रेन गुवाहाटी–श्रीगंगानगर–गुवाहाटी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन गुवाहाटी से एक मई से 26 जून तक प्रत्येक बुधवार को और श्रीगंगानगर से पांच मई से 30 जून तक प्रत्येक रविवार को नौ फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन गोरखपुर से शाम 7:40 बजे छूटेगी और दूसरे दिन 03.30 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। श्रीगंगानगर से 12.30 बजे चलकर अयोध्या के रास्ते दूसरे दिन रात में 8:40 बजे गोरखपुर पहुंचगी।

गोरखपुर–आनन्द विहार टर्मिनस–गोरखपुर ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 28 अप्रैल से 30 जून तक दिन प्रत्येक रविवार और आनन्द विहार टर्मिनस से 29 अप्रैल से एक जुलाई तक प्रत्येक सोमवार को 10 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन गोरखपुर से रात में 09:15 बजे छूटेगी और दूसरे दिन 01:15 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन आनंद विहार टर्मिनस से 03:15 बजे प्रस्थान करेगी और सुबह 07.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसके अलावा छपरा–आनंद विहार टर्मिनस–छपरा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी छपरा से एक मई से 26 जून तक प्रत्येक बुधवार और आनन्द विहार टर्मिनस से दो मई से 27 जून तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को नौ फेरों के लिए चलेगी। यह गाड़ी गोरखपुर से रात में 08:55 बजे चलेगी और दूसरे दिन 11:50 बजे आनंद विहार टर्मिनस पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन दोपहर 02:45 बजे प्रस्थान कर सुबह गोरखपुर पहुंचेगी। ग्वालियर–बरौनी–ग्वालियर द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी ग्वालियर से 21 अप्रैल से 30 जून तक प्रत्येक रविवार व बुधवार और बरौनी से 22 अप्रैल से एक जुलाई तक प्रत्येक सोमवार व बृहस्पतिवार को 21 फेरों के लिए चलाई जाएगी। सहरसा–नई दिल्ली अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचालन सहरसा से 19 अप्रैल को किया जाएगा। यह ट्रेन गोरखपुर से शाम 05:05 बजे चलेगी। खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी, ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल, इटावा, टुंडला, अलीगढ़, गाजियाबाद स्टेशनों पर रुकते हुए यह ट्रेन सुबह सात बजे नई दिल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

सगे भाई ने अपनी ही बहन का नाक तोड़ा मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर निवासी एक महिला अपने बच्चों के साथ मायके में रहती है। दो बहनों में प्रभाकर इकलौता भाई है। आरोप है कि हेडमास्टर पिता की मृत्यु के बाद से अक्सर उसका भाई दोनों बहनों को मारता–पीटता रहता है। बुधवार की रात करीब 11 बजे भाई प्रभाकर ने घर में सो रही दोनों बहनों पर ईंट से हमला कर दिया।

शोर सुनकर पीड़िता का बेटा आर्यन बीच बचाव करने पहुंचा तो उसको भी मारा पीटा। मारने–पीटने से पीड़िता के नाक की हड्डी व पैर की अंगुली टूट गई वहीं छोटी बहन और बेटा बेहोश हो गए। होश में आने पर छोटी बहन ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस आरोपित भाई प्रभाकर के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आदर्श सोनी पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार सोनी माता का नाम गीता सोनी निवासी पिकौरा बख्श गांधीनगर थाना कोतवाली जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी हूं। मेरे माध्यमिक शिक्षा परिषद इण्टर मीडिएट वर्ष **2023** अनुक्रमांक **2237332146** के अंक पत्र में अंग्रेजी में मेरी माता का नाम त्रुटि बश GEETA SIGH हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर GEETA SONI किया जाय।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त बस्ती मण्डल जिला–बस्ती

वाद सं0 C 202017000000645

श्रीकृष्ण आदि

बनाम

श्रीमती बसन्ता आदि

1. श्रीमती बसन्ता पत्नी बंशीधर साकिन पाऊ तप्पा कनैला परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
2. श्रीमती सुपना उर्फ सुषमा पत्नी शिवदत्त साकिन प्रतापपुर तप्पा कनैला परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–05–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 16 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस

(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)

न्यायालय– श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–603 / 11 / 2023

थाना–नगर

जिला–बस्ती

आसिया खातून

बनाम

मोजीबुल्लाह

तारीख पेशी 22–05–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–मोजीबुल्लाह उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र स्व0 मोहम्मद हुसैन निवासी ग्राम बखरिया पोस्ट बनकटिया थाना रूधौली जिला–बस्ती

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी.आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 05 मास के 22 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर

प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 340 / 2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती नीलम सिंह आदि

बनाम

संजय प्रताप सिंह

1. संजय प्रताप सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र स्व0 हरिश्चन्द्र सिंह निवासी ग्राम बड़ेरिया बुजुर्ग तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव पोस्ट हथियागढ़ तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com